Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. शिशपाल सिंह
सहायक प्राध्यापक

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./21/ दिनांक 13.07.2021

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 13 जुलाई 2021 से 17 जुलाई 2021 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		13.07.2021	14.07.2021	15.07.2021	16.07.2021	17.07.2021
1.	वर्षा (एम.एम.)	**5**	**2**	**2**	**0**	**1**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	घने बादल	बादल	बादल	बादल	घने बादल
3.	तापमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**39**	**39**	**39**	**39**	**36**
	न्यूनतम	**26**	**26**	**26**	**24**	**24**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी	दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**48**	**42**	**37**	**40**	**53**
	न्यूनतम	**36**	**30**	**26**	**24**	**25**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**7**	**9**	**9**	**20**	**39**
7	कुल वर्षा	**10.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में हल्की वर्षा होने के साथ दिन व रात के तापमान मे कमी होने, कम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ तेज गति की हवाएँ चलने और बादल छाए रहने की संभावना है।**
  - **किसान भाई महामारी कोविड19 से बचाव हेतु भारत सरकार व स्वाथ्य विभाग की गाइडलाइन को मानते हुये आपस में कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखें ।**
  - जहाँ कही भी खरपतवार हो उसे नष्ट करें।
  - मूँगफली की फसल में मृदा जनित व्याधियों (संधि विगलन/जड़ गलन) के नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा उपचारित गोबर की खाद (1 किलो ट्राइकोडर्मा हरजेनियम/100 किलो गोबर की खाद) तैयार कर ले, जिससे मूँगफली के खेत में डाल सकें।
  - अगेती बुवाई वाली मूँगफली में बुवाई के 40 दिन बाद कोई अंत: शस्य क्रियाएं ना करें।
  - मानसून बरसात की सम्भावना को देखते हुए खरीफ फसलो की बुवाई के लिए बीज, खेत एवं अन्य संसाधन तैयार रखे।
  - खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बाजरा की आर.एच.बी.-121, एच.एच.बी.-67(उन्नत), एच.एच.बी.-60, राज-171 जी.एच.बी.-538, आर.एच.बी.-90, पूसा-605, आई.सी.एम.एच.-356, आर.एच.बी.-177 व एम.पी.एम.एच.-17; मूंग की एस.एम.एल.-668, एम.यू.एम - 2, आर.एम.जी. -62, आर.एम.जी. -268, के -851, आर.एम.जी. -492; ग्वार की एच.जी.-75, आर,जी,सी.- 936, आर,जी,सी.-197, आर,जी,सी.-986, आर,जी,सी.-1017, आर,जी,सी.-1002, आर,जी,सी.-1003; तिल की आर.टी. - 46, आर.टी. - 125, आर.टी. - 127, आर.टी. - 346, आर.टी. - 351; और मोठ की आर.एम.ओ.-257, आर.एम.ओ.-225, आर.एम.ओ.-435, आर.एम.ओ.-423, आर.एम.ओ.-40 व आर.एम.ओ.-2251 किस्में क्षेत्र के लिए उपयुक्त है।
  - बाजरे की बुवाई के लिए 1 किलो बीज /बीघा ; मोठ के लिए 3 किलो बीज /बीघा ; मूँग के लिए 4 किलो बीज/बीघा; तिल के लिए आधा किलो बीज/बीघा तथा शाखा युक्त ग्वार के लिए 4 किलो बीज /बीघा व एकल शाखा युक्त ग्वार के लिए 6 किलो बीज /बीघा का प्रयोग करें।
  - अनार की मृग बाहर फसल लेने के लिए इस मे सिंचाई बंद कर दें।
  - किन्नों के नये बाग लगाने हेतु 6 मीटर x 6 मीटर की दूरी पर 1 मीटर x 1 मीटर x 1 मीटर आकार के गड्डों की खुदाई कर 20 दिन खुला छोड़ देंवे।
  - खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें।
  - हरा चारा फसलों मे नियमित रूप से सिंचाई करें।
  - खेत में चूहों के नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड + आटा + खाने का तेल का 2 : 94 : 4 के अनुपात में मिश्रण का चुगा खुले बिल्लो पर रखें ।
  - भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें।
  - पालतू पशुओं को लू से बचाए।
  - पशुओं में पेट के कीड़े मारें व खुर पक्का - मुँह पक्का, काला ज्वर व गल घोंटू बीमारी के टीके मानसून से पहले - पहले लगवाएँ।